सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद – ३८०००४.

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र – २

रविवार, ६ मार्च, २०२२ | समय : दोपहर २.०० से ५.०० | कुल गुण : १००

स्वामिनारायण BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (८)	
	४ (९)	
	५ (५)	
	६ (६)	
	७ (८)	
	विभाग-१, कुल गुण (५१)	

☞ अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास ....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर ....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर ....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	८ (९)	
	९ (५)	
	१० (९)	
	११ (८)	
	१२ (४)	
	१३ (८)	
	१४ (६)	
	विभाग-२, कुल गुण (४९)	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐

શબ્દોમાં ....

ચેકરનું નામ

केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक – A तथा पत्रक – B के साथ वापस भेजना है ।

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है। उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी। **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी। पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी। **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें। **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें। पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे। अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे। **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नपत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है। **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है। अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है। **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा। **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन!!! परिणाम नहीं मिलेगा!!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		नाम

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवीण

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसे और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''इसकी प्रदक्षिणा पृथ्वी की प्रदक्षिणा के समान ही मानी जाती है।''

कौन कहता है?..... किसे कहता है?.....

कब कहता है?.....

.....

..... गुण : ३

२. ''ये गरीब होने पर भी कितने सुखी है!''

कौन कहता है?..... किसे कहता है?.....

कब कहता है?.....

.....

..... गुण : ३

३. ''तुम्हें हमारे कहे अनुसार करना है या फिर साधु बनना है?''

कौन कहता है?..... किसे कहता है?.....

कब कहता है?.....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ६)

१. सपार्षद ध्यान किसे कहते है? गुण : १

.....

.....

२. साधु को क्या सहन करना चाहिए? गुण : १

.....

.....

३. सारंगपुर : ३ में किस पूजा को व्यर्थ कहा गया है? गुण : १

.....

.....

४. मुक्ति या कल्याण किसे कहते हैं? गुण : १

.....

.....

५. कृपानंद स्वामी क्यों ज्ञानी बनने को कहते थे? गुण : १

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र – २ गुण – ६		नाम

६. भगवान स्वामिनारायण किस को अपने में लीन करने की शक्ति के धारक है ? | गुण : १ | |

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए। (बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ८)

१. अलैया खाचर **अथवा** २. स्वयंप्रकाशानंद स्वामी

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... | गुण : ४ | |

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ३ गुण - ८		नाम

३. संप्रदाय के शास्त्र : शिक्षापत्री **अथवा** ४. सधवा और विधवा स्त्रियों के विशेष धर्म

(   ) ....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [   ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ४ निम्नलिखित वाक्यों में से किसी भी <u>तीन</u> वाक्यों पर कारण लिखिए। (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. बंधिया के जैन महाजन स्तब्ध रह गए।

२. छपैया, अयोध्या, गढ़डा आदि भगवदीय तीर्थ है।

३. श्रीजीमहाराज घर-घर में डेढ़-दो मन गेहूँ देते थे।

४. श्रीजीमहाराज अपनी खटिया में बेचैन होकर बैठ जाते।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ४ गुण - ९		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : ३

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ५ गुण - ५		नाम

प्र. ५ नंद राजा ने संपूर्ण पृथ्वी का - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए। (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ६ गुण - ६		नाम

प्र. ६ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को यथार्थ घटनाक्रम के अनुसार लिखिए। (कुल गुण : ६)

विषय : जीवा खाचर

१. दादाखाचर तथा जीवा खाचर दोनों सगे भाई थे।

२. शुरुआत के छह वर्ष जीवा खाचर के दरबारभवन में रहते थे।

३. श्रीजीमहाराज की हत्या करने के लिए बुढ़ा धाधल को भेजा।

४. यह गढ़ तो हमारे काम का है, अतः मंदिर कहीं दूसरी जगह बनाइए।

५. लाडूबाई ने महाराज को कहा : 'भाई के गुनाहों को भूलाकर आप कृपया उन्हें आपके धाम के अधिकारी बनाएँ।'

६. उसके काष्ठ जलाकर महाराज के तापने की व्यवस्था की।

७. जीवा खाचर ने अपनी पगड़ी उतारकर श्रीहरि को उसमें थूकने के लिए प्रार्थना की।

८. जीवा खाचर ने सारंगपुर में हनुमानजी की प्रतिष्ठा गुणातीतानंद स्वामी के पास करवाई।

९. ठाकोरजी ने दूध का कटोरा जीवा खाचर की ओर फेंका।

१०. महाराज को अपने घर के रसोईघर के चूल्हे पर शौच की व्यवस्था सूचित की।

११. वहाँ कोई भगवान है ही नहीं! सिर्फ एक पुरबिया ब्राह्मण रहता है।

१२. आप यह फानस शौचालय में रख आइए।

(१) केवल सही क्रमांक : | | | | | | | गुण : ३ |

(२) यथार्थ घटनाक्रम : | | | | | | | गुण : ३ |

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे।

(२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ८		नाम

प्र. ७ निम्नलिखित जनमंगलनामावलि/सहजानंदनामावलि/कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए। (कुल गुण : ८)

१. जनमंगल नामावलि : ॐ श्रीयोगकलाप्रवृत्तये नमः ..... ॐ श्रीतीर्थकृते नमः **अथवा**
सहजानंद नामावलि : ॐ श्रीभगवते नमः ..... ॐ श्रीद्विभुजाय नमः।

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. केदि देशो मा संसारी सुख .....

.....

.....

.....

.....

.....

..... अहंकारी स्वभाव। गुण : २

३. श्वासेन.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... शरणं प्रपद्ये ॥ गुण : २

४. समदुःखसुखः ..... गुणातीतः स उच्यते ॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ९		नाम	प्र - ९ गुण - ५		नाम

विभाग - २ : गुणातीतानंद स्वामी

प्र. ८ निम्नलिखित कथन कौन, किसे और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''सगुण चरित्र नानाविधि, सुनी मुनि मन भ्रम होय''

कौन कहता है?..... किसे कहता है?.....

कब कहता है?.....

.....

..... गुण : ३

२. ''यह गुणातीतानंद स्वामी जिस प्रकार से भोजन करते हैं, उसी प्रकार भोजन करना आप सभी सीखिए।''

कौन कहता है?..... किसे कहता है?.....

कब कहता है?.....

.....

..... गुण : ३

३. ''श्रीहरि भवन में कथावार्ता करने गए हैं।''

कौन कहता है?..... किसे कहता है?.....

कब कहता है?.....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.९ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)

१. बैल कृष्णार्पण करने से स्वामी के मना करने पर पटेल ने क्या कहा? गुण : १

.....

.....

२. मूलजी भक्त ने गढ़डा आकर श्रीहरि के पास क्या याचना की? गुण : १

.....

.....

३. गुणातीतानंद स्वामी किस के साथ घेला नदी पर नहाने गए थे? गुण : १

.....

.....

४. श्रीहरि के सामने कौन गुदड़ी लेने नहीं आ पाए? गुण : १

.....

.....

५. श्रीहरि ने मूलजी भक्त को देखकर उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए क्या कहा? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित वाक्यों में से किसी भी <u>तीन</u> वाक्यों पर कारण लिखिए। (नौ पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. उगा खुमाण को संतमंडल ने आशीर्वाद दिए।

२. नागर भक्त ने चुपचाप ठंडा भोजन ग्रहण कर लिया।

३. गुणातीतानंद स्वामी को सूरत में प्रतिदिन भिक्षा के लिए जाना पड़ता था।

४. शौचक्रिया के लिए जा रहे गुणातीतानंद स्वामी मूर्छित होकर गिर पड़े।

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... | गुण : ३ | |

( ) ....

....

....

....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १० गुण - ९		नाम

गुण : ३

( )

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.११ निम्नलिखित में से किसी भी दो विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए। (बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ८)

१. अप्रतिम श्रद्धा। २. गुणातीत कथावार्ता ३. प्रौढ़ प्रताप : स्वामीजीने रघुवीरजी महाराज को वचन दिया

( ) ....

गुण : ४

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र – ११ गुण – ८		नाम

(   ) ....

गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ४		नाम

प्र.१२ निम्नलिखित किसी भी <u>एक</u> प्रसंग का संक्षिप्त में विवरण कर भावार्थ लिखिए।
(बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ४)

१. मूर्ति में आसक्त २. बालचरित्र : वृद्ध कोई भगवान का स्मरण करते नहीं

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

भावार्थ : .....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १३ गुण - ८		नाम

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए चोरस कोष्टक में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्पों के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

१. करसन बांभणिया — गुण : २ ☐

(१) ☐ इसी से हरिभक्तों को भोजन कराइएगा ।

(२) ☐ यह वर्ष बहुत कमजोर है ।

(३) ☐ भक्तजन धर्मदान नहीं कर सकेंगे।

(४) ☐ स्वामीने उस पिटारे को लेकर सुरक्षित रख दिया।

२. गुणातीतानंद स्वामी और शांतानंद गुदडिया संत श्रीजीमहाराज के लिए क्या क्या लेकर नीकले ? — गुण : २ ☐

(१) ☐ 'सतीगीता' की पुस्तक

(२) ☐ अचार के तीन डिब्बे

(३) ☐ बरफी की मटकी

(४) ☐ सोनेरी शणगार

३. अयोध्याप्रसादजी महाराज की हवेली में — गुण : २ ☐

(१) ☐ श्रीहरि के पुरुषोत्तमपन की प्रभावशाली बातें की।

(२) ☐ आपसे प्रार्थना है कि आप इस थाल में भोजन कीजिए।

(३) ☐ आपकी दृष्टि में तो सोना और कचरा एक समान ही है।

(४) ☐ श्रीहरि की आज्ञा नहीं है।

४. निश्चय कराया — गुण : २ ☐

(१) ☐ वागड के समीप अणियाली गाँव पधारे

(२) ☐ पंच तत्त्वों को समझने में कमी

(३) ☐ आत्मानन्द स्वामी से दीक्षा

(४) ☐ संवत् १९१६

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☐ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १४ गुण - ६		नाम

प्र.१४ निम्नलिखित वाक्य में से गलत शब्द को सुधारकर विषय के अनुलक्ष्य में सही वाक्य लिखिए। (कुल गुण : ६)
सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

१. **बाजारु काँटे :** एकबार गुणातीतानंद स्वामी दामोदरकुंड में पधारे थे। इतने में वरताल के गोरधनभाई, गढ़डा के जीवा खाचर, गोंडल के अभेसिंहजी दरबार आदि हरिभक्त स्वामीजी के दर्शन हेतु आए।

उ. .....

.....

..... गुण : १

२. **सत्संग में अक्षरब्रह्म का प्रवर्तन :** वे सर्वस्व हैं, कुशल और निपुण हैं तथा धन्वंतरि वैद्य के समान हैं । उसके पश्चात् नित्यानंद स्वामी हरिनवमी के उत्सव पर गढ़डा पधारे।

उ. .....

.....

..... गुण : १

३. **'आपको अपना अक्षरधाम दूँगा' :** उसके पश्चात् स्वामी ने सभी गाँववालो को आज्ञा दी की 'यदि कोई प्रतिवर्ष दो महिने के लिए महाराज का सत्संग करने आएगा, तो उसके लाख जन्मों की कमी मैं इसी एक जन्म में दूर कर दूँगा। '

उ. .....

.....

..... गुण : १

४. **विरक्ति :** धर्मज राज्य की राजमाता झमकुबा के आग्रह से भगवान श्रीस्वामिनारायण, गोपालानंद स्वामी आदि संतो-हरिभक्तो के संघ के साथ धर्मज जा रहे थे।

उ. .....

.....

..... गुण : १

५. **मान अपमान में समानता :** संवत् १८२२ की फाल्गुन पूर्णिमा के उत्सव पर श्रीगुणातीतानंद स्वामी गढ़डा पधारे। 'स्वामीजी अक्षरमुक्त के अवतार है' इस बात का प्रचार स्वामीजी की इच्छा से जागा स्वामी ने सत्संग क्षेत्र में प्रारम्भ कर दिया था।

उ. .....

.....

..... गुण : १

६. **दरिद्रता मिटाई :** स्वामीजी का आशीर्वाद प्राप्त करके, मुसाभाई का हौसला बढ़ गया; परंतु मुंबई जाने के लिए उनके पास पैसे न थे। स्वामीजी ने अंतर्यामीपन से यह बात जानकर, मुसा से कहा, 'तुम्हारी बहन ने चूल्हे के नीचे जमीन में दो सौ रुपये दबाकर रखा है, उसे माँग लेना!'

उ. .....

.....

..... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**